

12वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन

12वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन विदेश मंत्रालय द्वारा फिजी सरकार के सहयोग से 15 से 17 फरवरी, 2023 तक फिजी में आयोजित किया जा रहा है। 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन को फिजी में आयोजित करने का निर्णय मॉरीशस में आयोजित 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन में लिया गया था। पहला विश्व हिंदी सम्मेलन 1975 में नागपुर, भारत में आयोजित किया गया था। तब से, विश्व के अलग-अलग भागों में, ऐसे 11 सम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है। अभी तक पूर्व में आयोजित 11 सम्मेलनों के ब्यौरे इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	सम्मेलन	स्थान	वर्ष
1.	प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन	नागपुर, भारत	10-12 जनवरी, 1975
2.	द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन	पोर्ट लुई, मॉरीशस	28-30 अगस्त, 1976
3.	तृतीय विश्व हिंदी सम्मेलन	नई दिल्ली, भारत	28-30 अक्टूबर, 1983
4.	चतुर्थ विश्व हिंदी सम्मेलन	पोर्ट लुई, मॉरीशस	02-04 दिसंबर, 1993
5.	पाँचवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन	पोर्ट ऑफ स्पेन, ट्रिनिडाड एंड टोबैगो	04-08 अप्रैल, 1996
6.	छठा विश्व हिंदी सम्मेलन	लंदन, यू.के.	14-18 सितंबर, 1999
7.	सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन	पारामारिबो, सूरीनाम	06-09 जून, 2003
8.	आठवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन	न्यूयार्क, अमरीका	13-15 जुलाई, 2007
9.	नौवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन	जोहांसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका	22-24 सितंबर, 2012
10.	दसवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन	भोपाल, भारत	10-12 सितंबर, 2015
11.	ग्यारहवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन	पोर्ट लुई, मॉरीशस	18-20 अगस्त, 2018

12वें विश्व हिंदी सम्मेलन के लिए विदेश मंत्रालय नोडल मंत्रालय है। व्यवस्थित एवं निर्बाध रूप से सम्मेलन के आयोजन के लिए विभिन्न समितियाँ गठित की गई हैं।

सम्मेलन का मुख्य विषय "हिन्दी – पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक" है। सम्मेलन का आयोजन स्थल देनाराऊ आइलैंड कन्वेंशन सेंटर, नांदी, फिजी है।

सम्मेलन स्थल पर हिंदी भाषा के विकास से संबंधित कई प्रदर्शनियाँ लगाई जाएंगी। सम्मेलन के दौरान शाम को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। दैनिक सम्मेलन-समाचार पत्र (सम्मेलन-समाचार), सम्मेलन-स्मारिका और शैक्षिक सत्रों में हुई चर्चाओं और सुझावों के आधार पर एक सम्मेलन रिपोर्ट भी प्रकाशित की जाएगी। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा "गगनांचल" का विशेष अंक निकाला जाएगा जो सम्मेलन को समर्पित होगा। परंपरा के अनुरूप सम्मेलन के दौरान भारत एवं अन्य देशों के हिंदी विद्वानों को हिंदी के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए "विश्व हिंदी सम्मान" से सम्मानित किया जाएगा।

सम्मेलन के लिए एक वेबसाइट vishwahindisammelan तैयार की गई है और सम्मेलन से संबंधित सभी सूचनाओं के लिए इसे देखा जा सकता है।